an>

Title: Need to start relief operations in drought affected region in Western Rajasthan.

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपको धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया है।

महोदया, पश्चिमी राजस्थान में अकाल हमारा सहोदर है, हमारा सगा भाई है, हमारे साथ जन्मा है। पिछले सालों में से 42 साल पूरा या थोड़ा अकाल पड़ा है। इस बार भी परिस्थिति कमोबेश वैसी ही है। राजस्थान की सरकार ने 13 जिलों को अभावग्रस्त घोषित किया है और 5841 गांवों को अभावग्रस्त घोषित किया है। जो प्रदेश अभावग्रस्त घोषित होता है, उस क्षेत्र में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की स्कीम्स के तहत राहत कार्य चलाए जाते हैं। देश की सरकार राहत कार्य चलाने के लिए सिर्फ 90 दिन ही प्रदान करती है कि 90 दिन तक ही राहत कार्य चलाए जा सकते हैं। इस वर्ष परिस्थिति इतनी गम्भीर है कि कुछ क्षेत्रों में तो केवल 3 एमएम बरसात ही हुई है। देश में बरसात का एवरेज 1200 एमएम है और देश में जब 50 प्रतिशत वर्षा होती है तब उसको भयानक अकाल कंसीडर किया जाता है। हमारे यहां केवल 3 एमएम बरसात हुई है जो 330 एमएम का केवल एक प्रतिशत है और पूरे क्षेत्र की आजीविका का साधन पशुपालन है। मैं उस क्षेत्र से आता हूं जहां दस किलोमीटर दूर से महिलाएं सिर पर पानी रख कर लाती हैं। यह बहुत ही गम्भीर ही स्थिति है। जब हजारों गाय मर रही थीं, तब राज्य सरकार ने 90 दिन की अवधि में एनडीआरएफ के पैसे से पशु शिविर और पेयजल की सुविधा को प्रारम्भ किया गया। उस 90 दिन की अवधि में शिथिलता प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने देश की सरकार को लिखा और देश की सरकार ने उस फाइल को टर्नडाउन कर दिया है। अगर उन नार्मस में शिथिलता प्रदान नहीं की गई, तो लाखों गाय एक महीने में काल कवलित हो जाएंगी। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहता हूं कि लाखों गायों और हजारों महिलाओं की तकलीफ को देखते हुए देश की सरकार एनडीआरएफ के नार्मस में 90 दिनों का जो बैरीयर है, इसे समाप्त करे, वरना हमें लाखों गायों की मृत्यु को अपने सामने काल कवलित होते देखना पड़ेगा।

माननीय अध्यक्ष :

श्री पी.पी. चौधरी और

श्री सी.आर. चौधरी अपने आपको श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध करते हैं।